शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार
वार्षिक पाठ्यक्रम
सत्र: 2026-27

विषय: सामाजिक विज्ञान **कक्षा: VI (मध्य स्तर)**

पाठ्यपुस्तक: समाज का अध्ययनः भारत और उससे आगे				
अध्याय	**पाठ्यचर्या लक्ष्य (NCF SE 2003 के अनुसार)**	**दक्षताएँ (NCF SE 2003 के अनुसार)**	**अधिगम संप्राप्ति**	**सुझावात्मक गतिविधियाँ**
अध्याय 1: पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति	**CG-1** मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं से संबंधित स्रोतों को समझ कर उनकी व्याख्या करते हैं एवं उनके अर्थपूर्ण निष्कर्ष निकालते हैं।	**C1.2** पाठ, तालिका, चार्ट, आरेख एवं मानचित्र के रूप में दिए गए आँकड़ों का निरूपण और विश्लेषण करते हैं ।	• नक्शों पर दिशाओं, अक्षांश, देशांतर, निर्देशांक, समय क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा की अवधारणा की व्याख्या करतें हैं।	• कक्षा में ग्लोब का अवलोकन और अध्ययन करवाइए। • ग्लोब पर अक्षांश और देशांतर रेखाओं को पहचानने का अभ्यास करवाइए। • पृष्ठ 12-13 पर ''आइए पता लगाएँ'' अनुभाग के अंतर्गत दी गई गतिविधि/खेल का आयोजन करवाइए। • दो स्थानों की देशांतरीय स्थितियों के आधार पर उनके समय के अंतर की गणना करवाइए।
अध्याय 2: महासागर एवं महाद्वीप	**CG-6** संसाधनों के स्थानिक वितरण (स्थानीय से वैश्विक स्तर), उनका संरक्षण, प्राकृतिक घटनाओं एवं मानव जीवन के मध्य पारस्परिक निर्भरता एवं उनके पर्यावरणीय एवं अन्य प्रभावों को समझते हैं।	**C-6.1** जलवायु, मौसम, महासागरीय - चक्र, मृदा - निर्माण, नदियों का प्रवाह जैसी प्रमुख प्राकृतिक घटनाओं व उनके स्थानिक वितरण की व्याख्या करते हैं। **C-6.2** जल, कृषि, कच्चा माल और सेवाओं आदि संसाधनों के भौगोलीय वितरण की पहचान (स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भों मे) करते हैं।	• महाद्वीपों, महासागरों और द्वीपों की पहचान करते हैं, और इन क्षेत्रों में पाए जाने वाले विभिन्न जीवन रूपों का वर्णन करते हैं।	• कक्षा में ग्लोब का अवलोकन और अध्ययन करवाइए। • पृष्ठ 36 और 40 पर दिए गए ''आइए पता लगाएँ'' अनुभाग में दी गई गतिविधियों का आयोजन करवाइए। • महाद्वीपों, महासागरों और द्वीपों का पता लगाने के लिए मानचित्र आधारित गतिविधियों का आयोजन करवाइए।
अध्याय 4: इतिहास की समयरेखा और उसके स्रोत	**CG-2** समकालीन संदर्भों एवं कुछ ऐतिहासिक घटनाओं के आलोक में मानव सभ्यता में निरंतरता और	**C-2.1** अतीत में हुए प्रमुख परिवर्तनों और उनके सामाजिक प्रभावों की व्याख्या और विश्लेषण करते हैं ।	• ऐतिहासिक समय की गणना करने के लिए समयरेखा का उपयोग करते हैं और अतीत को समझने और विश्लेषण	• पृष्ठ 63 और 66 पर ''आइए पता लगाएँ'' अनुभाग के अंतर्गत दी गई गतिविधियों का आयोजन कीजिए।

	परिवर्तन की प्रक्रिया का विशिष्ट उदाहरणों द्वारा अन्वेषण करते हैं।		करन के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्रोतों का उपयोग करते हैं।	• ऐतिहासिक कलाकृतियों और स्रोतों का अवलोकन करने के लिए पास के किसी संग्रहालय की यात्रा का आयोजन कीजिए।
अध्याय 5: इंडिया, अर्थात भारत	**CG-7** भारतीय होने के अर्थ और महत्व, जिसमें (क) भारत के समृद्ध अतीत और वर्तमान जिसमें विविधता में इसकी शानदार सांस्कृतिक एकता, बहुलवाद, विरासत, परंपराएं, साहित्य, कला, वास्तुकला, दर्शन, चिकित्सा, विज्ञान और मानवता के लिए इसके अन्य योगदान शामिल हैं, और (ख) भारत की भौगोलिक विविधता के बावजूद एकीकृत करने वाले अन्य कारक शामिल हैं, को समझते हैं।	**C-7.1** भारत के समृद्ध और विविध सांस्कृतिक तत्वों, भाषाओं, कलाओं, दार्शनिक विचारों, मूल्यों, वस्त्रों, खाद्य पदार्थों, परंपराओं, त्योहारों, व्यापार, वाणिज्य, आयुर्वेद और योग सहित विभिन्न स्वास्थ्य परंपराओं में समानताओं को पहचानकर भारत की विविधता में एकता को समझाते हैं।	• हमारे देश के विभिन्न नामों की उत्पत्ति और प्रक्रिया का वर्णन करते हैं।	• विद्यार्थियों को हमारे देश के विभिन्न नामों और उनके ऐतिहासिक संदर्भों का पता लगाने और उन्हें दस्तावेज़ित करने से संबंधित परियोजना कार्य दीजिए। • पृष्ठ 83 पर ''आइए पता लगाएँ'' अनुभाग के अंतर्गत दी गई गतिविधियों का आयोजन करवाइए। • भारतीय उपमहाद्वीप की राष्ट्रीय सीमाओं की पहचान और स्थान निर्धारित करने के लिए मानचित्र आधारित गतिविधियाँ का आयोजन करवाइए।
अध्याय 9: परिवार और समुदाय	**CG-4** सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली, समाज पर उनके प्रभाव, इनको आकार प्रदान करने में व्यक्ति और समूह की भूमिका को समझते हैं।	**C-4.2** किसी व्यक्ति/समूह/समुदाय/समाज पर सामान्यतः सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक संस्थाओं के प्रभाव का आकलन करते हैं।	• परिवार और समुदाय की भूमिकाओं तथा उत्तरदायित्वों की व्याख्या और राष्ट्र के विकास में उनके महत्व का विश्लेषण करते हैं।	• पृष्ठ 143 पर, "आइए पता लगाएँ" अनुभाग के अंतर्गत दी गई गतिविधि का आयोजन कीजिए।
अध्याय 10: आधारभूत लोकतंत्र भाग – 1: शासन	**CG-4** सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली, समाज पर उनके प्रभाव, इनको आकार प्रदान करने में व्यक्ति और समूह की भूमिका को समझते हैं।	**C-4.1** अपने आस-पास के क्षेत्र और प्रदेश के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक संस्थाओं के विषय में जानकारी को एकत्रित एवं व्यवस्थित कर इसकी विवेचना एवं व्याख्यायित करते हैं और मानव समाज के लिए इसके महत्व को समझते हैं।	• शासन की अवधारणा, सरकार की आवश्यकता, उसके अंगों और स्तरों की रूपरेखा प्रस्तुत करतें हैं, और लोकतंत्र के महत्व का विश्लेषण करते हैं।	• सत्ता की साझेदारी की प्रक्रिया और उसके महत्व पर कक्षा में चर्चा अथवा वाद - विवाद का आयोजन करवाइए। • प्रत्यक्ष लोकतंत्र और प्रतिनिधि लोकतंत्र की अवधारणाओं पर चर्चा करवाइए।

		C-4.2:किसी व्यक्ति/ समूह/ समुदाय/ समाज पर सामान्यतः सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक संस्थाओं के प्रभाव का आकलन करते हैं।		
अध्याय 13: कार्य का महत्व	**CG-9** आर्थिक गतिविधियों (उत्पादन एवं उपभोग, व्यापार एवं वाणिज्य) की प्रक्रियाओं को समझते हैं।	**C-9.1** व्यापार और वाणिज्य के प्रमुख तत्वों (वस्तुओं, उत्पादन, उपभोग और पूंजी) और व्यक्तिगत जीवन और समाज पर इसके प्रभावों को समझतें हैं।	• आर्थिक और गैर-आर्थिक गतिविधियों के मध्य अंतर स्पष्ट करते हैं एवं सामुदायिक कार्य के महत्व को समझातें हैं।	• कार्य के महत्व और गरिमा पर कक्षा में चर्चा करवाइए। • पृष्ठ 184 पर दी गई गतिविधि पर आधारित एक रोल-प्ले का आयोजन करवाइए।

नोट:

- ❖ निर्धारित पाठ्यक्रम 5 सितंबर 2026 तक पूरा कर लिया जाए जिससे पुनः पठन एवं अधिगम के सुदृढ़ीकरण के लिए पर्याप्त समय मिल सकें।
- ❖ शिक्षक/ शिक्षिकाओं से आशा की जाती है कि जहाँ भी संभव हो, वे उभरे हुए ग्लोब और मानचित्रों का उपयोग कीजिए, जिससे अनुभवात्मक और समावेशी शिक्षण को प्रोत्साहित किया जा सके।
- ❖ सभी शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाएँ, मूल्यांकन पद्धतियाँ और कक्षा-कक्ष की गतिविधियाँ राष्ट्रीय पाठयचर्या रूपरेखा - 2023 में बताए गए पाठ्यक्रम लक्ष्यों (CG) और दक्षताओं (Cs) के अनुरूप होनी चाहिए।

मध्यावधि परीक्षा

पाठ्यपुस्तक: समाज का अध्ययनः भारत और उससे आगे				
अध्याय	**पाठ्यचर्या लक्ष्य** **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा - विद्यालय शिक्षा 2023 के अनुसार**	**दक्षताएँ** **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा - विद्यालय शिक्षा 2023 के अनुसार**	**अधिगम संप्राप्ति**	**सुझावात्मक गतिविधियाँ**
अध्याय 3: स्थलरूप एवं जीवन	**CG-6** संसाधनों का स्थानिक वितरण (स्थानीय से वैश्विक स्तर), उनका संरक्षण,प्राकृतिक घटनाओं एवं मानव जीवन के मध्य पारस्परिक निर्भरता एवं उनके पर्यावरणीय एवं अन्य प्रभावों को समझते हैं।	**C-6.4** आजीविका के मौजूद विभिन्न रूपों का, विभिन्न प्रकार के भूगोलिक क्षेत्रों, संसाधनों की उपलब्धता तथा जलवायु की स्थितियों एवं परिवर्तनों के साथ सहसंबंध स्थापित करते हैं।	• विभिन्न भू-आकृतियों, स्थलो और उनकी विशेषताओं के साथ व्याख्या कीजिए।	• कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा की गई यात्राओं पर चर्चा का आयोजन करवाएँ और मार्ग में आने वाले विभिन्न भूदृश्यों की पहचान करवाएँ। • विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या 50 पर दिए गए चित्रों को दिखाइए और उन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करवाइए साथ ही, यह पता लगाइए कि उन्होंने अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए किस तरह के उपाय किए हैं ।
अध्याय 6: भारतीय सभ्यता का प्रारंभ	**CG-2** मानव सभ्यता की निरंतरता और परिवर्तन की प्रक्रिया का विशिष्ट उदाहरणों द्वारा तत्कालीन संदर्भों एवं कुछ ऐतिहासिक घटनाओं के आलोक में अन्वेषण करते हैं।	**C-2.1** अतीत में हुए प्रमुख परिवर्तनों और उनके सामाजिक प्रभावों की व्याख्या और विश्लेषण करते हैं ।	• प्रारंभिक शहरी सभ्यता (हड़प्पा) के महत्वपूर्ण नगरों की विशिष्ट विशेषताओं को समझाते हैं। • भारत के राजनीतिक मानचित्र पर हड़प्पा सभ्यता के महत्त्वपूर्ण स्थलों की स्थिति को पहचान करते हैं।	• हड़प्पा शहरों और वर्तमान शहरों के बीच समानताओं और अंतरों पर चर्चा कीजिए। • भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर हड़प्पा शहरों को ढूंढिए और चिह्नित कीजिए।
अध्याय 7: भारत की सांस्कृतिक जड़ें	**CG-7** भारतीय होने के महत्व और अर्थ को समझते हैं, जिसमें (a) भारत का समृद्ध अतीत और वर्तमान शामिल है, जिसमें विविधता में इसकी शानदार सांस्कृतिक एकता, बहुलवाद, विरासत, परंपराएं, साहित्य, कला, वास्तुकला, दर्शन, चिकित्सा, विज्ञान और मानवता के लिए इसके अन्य योगदान शामिल हैं, और (b) भारत की भौगोलिक विविधता के बावजूद	**C-7.3** भारतीय परंपरा में विभिन्न समुदायों और सामाजिक समूहों के समावेशन शामिल होने एवं विश्व के व्यापक में इसके प्रभावों की प्रशंसा करते हैं।	• भारतीय समाज की विभिन्न जड़ों का उल्लेख करते हैं। • भारत के राजनीतिक मानचित्र पर बौद्ध धर्म और जैन धर्म से संबंधित महत्वपूर्ण स्थलों की पहचान करते हैं। • वैदिक, बौद्ध और जैन धर्म की शिक्षाओं में समानता को स्पष्ट करते हैं। • लोक, जनजातीय और हिंदू विश्वास प्रणालियों के मध्य परस्पर प्रभाव का विश्लेषण करते हैं।	• पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या 111-112 पर दिए गए श्वेतकेतु, नचिकेता या गार्गी-याज्ञवल्क्य संवाद पर आधारित एक रोल-प्ले गतिविधि का आयोजन करवाइए। • भारत के राजनीतिक मानचित्र पर बौद्ध धर्म और जैन धर्म से संबंधित महत्वपूर्ण स्थलों को चिह्नित करवाइए। • विश्व के राजनीतिक मानचित्र पर उन देशों की पहचान करवाइए जहाँ आज भी बौद्ध धर्म एक प्रमुख धर्म है। • वैदिक धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म की शिक्षाओं में पाई जाने वाली समानताओं पर चर्चा करवाइए।

	अन्य एकीकृत करने वाले कारक शामिल हैं।			• अपने क्षेत्र या राज्य के कुछ जनजातीय समूहों की सूची बनवाएँ तथा उनकी कुछ कलाओं और मान्यताओं को लिपिबद्ध करवाइए।
अध्याय 8: विविधता में एकता या एक में अनेक	**CG-7** भारतीय होने के महत्व और अर्थ को समझते हैं, जिसमें (a) भारत का समृद्ध अतीत और वर्तमान शामिल है, जिसमें विविधता में इसकी शानदार सांस्कृतिक एकता, बहुलवाद, विरासत, परंपराएं, साहित्य, कला, वास्तुकला, दर्शन, चिकित्सा, विज्ञान और मानवता के लिए इसके अन्य योगदान शामिल हैं, और (b) भारत की भौगोलिक विविधता के बावजूद अन्य एकीकृत करने वाले कारक शामिल हैं।	**C-7.1** भारत के समृद्ध और विविध सांस्कृतिक तत्वों, भाषाओं, कलाओं, दार्शनिक विचारों, मूल्यों, वस्त्रों, खाद्य पदार्थों, परंपराओं, त्योहारों, व्यापार, वाणिज्य, आयुर्वेद और योग सहित विभिन्न स्वास्थ्य परंपराओं में समानताओं को पहचानकर भारत की विविधता में एकता को समझाते हैं।	• पहचानते हैं कि विविधता हमारे देश को विभिन्न खाद्य पदार्थों, वस्त्रों, कपड़ों और महाकाव्यों के माध्यम से कैसे समृद्ध करती है।	• एक ऐसी तालिका तैयार करवाइए जिसमें विद्यार्थियों के नाम, उनकी जन्म तिथि, उनके माता-पिता के नाम, जन्म स्थान, उनकी मातृभाषा या कोई अन्य जानकारी शामिल हो, ताकि हर जगह मौजूद विविधता का उन्हें एहसास हो सके। • विद्यार्थियों से उनके क्षेत्र से कुछ लोक कथाओं को एकत्र करवाइए और उन कथाओं के संदेशों पर चर्चा का आयोजन करवाइए। • पंचतंत्र से कुछ कहानियाँ चुनकर उनके संदेशों की प्रासंगिकता पर चर्चा का आयोजन करवाइए।
अध्याय 11: आधारभूत लोकतंत्र भाग –2: ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय सरकार	**CG-8** भारत के संविधान के विकास की प्रक्रिया एवं भारतीय समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए संविधान के महत्व को समझतें एवं उसकी प्रशंसा करते हैं।	**C-8.3** 8.3 त्रि-स्तरीय स्थानीय स्वशासी निकायों की कार्यप्रणाली की व्याख्या और आधारभूत स्तर पर लोकतंत्र को बनाए रखने में इसके महत्व को समझते हैं।	• पंचायती राज व्यवस्था का वर्णन करते हैं। • ग्रामीण प्रशासन के त्रि-स्तरीय स्वरूप की कार्यप्रणाली की व्याख्या करते हैं। • शासन और लोकतंत्र में ग्रामीण स्व-शासन के महत्व का मूल्यांकन करते हैं।	• अपनी पसंद की किसी भी समस्या/ विषय पर चर्चा करने के लिए एक 'बाल सभा' का आयोजन करवाइए। चर्चा के दौरान और समाधान तक पहुँचने में विद्यार्थियों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उनकी एक सूची बनवाइए।
अध्याय 12: आधारभूत लोकतंत्र भाग–3: नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय सरकार	**CG-8** भारत के संविधान के विकास की प्रक्रिया एवं भारतीय समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में संविधान के महत्व को समझतें एवं उसकी प्रशंसा करते हैं।	**C-8.3** 8.3 त्रि-स्तरीय स्थानीय स्वशासी निकायों की कार्यप्रणाली की व्याख्या और आधारभूत स्तर पर लोकतंत्र को बनाए रखने में इसके महत्व को समझते हैं।	• शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली की व्याख्या करते हैं। • शासन और लोकतंत्र में शहरी स्व-शासन के महत्व का मूल्यांकन करते हैं।	• अपने क्षेत्र में नगर निगम द्वारा किए गए कार्यों पर कक्षा में चर्चा आयोजित करवाइए। • मध्य प्रदेश के इंदौर शहर को पिछले कई वर्षों से 'स्वच्छता सर्वेक्षण' सरकारी योजना के तहत भारत का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है। इस

				उपलब्धि में नागरिकों की भूमिका पर चर्चा का आयोजन करवाइए।
अध्याय 14: हमारे आसपास की आर्थिक गतिविधियाँ	**CG-9** आर्थिक गतिविधियों (उत्पादन एवं उपभोग, व्यापार एवं वाणिज्य) की प्रक्रियाओं को समझते हैं।	**C-9.1** व्यापार और वाणिज्य के प्रमुख तत्वों (वस्तुओं, उत्पादन, उपभोग और पूंजी) और व्यक्तिगत जीवन और समाज पर इसके प्रभावों को समझतें हैं।	• अपने आस-पास की विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक आर्थिक गतिविधियों के रूप में पहचानते हैं। • अर्थव्यवस्था के प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों के बीच अंतर स्पष्ट करते हैं। • अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्रकों की परस्पर संबद्धता का विश्लेषण करते हैं।	• विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियों पर कक्षा में चर्चा आयोजित करवाइए और उन्हें प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक आर्थिक गतिविधियों में वर्गीकृत करवाइए। • अध्याय के पृष्ठ संख्या 206 पर दी गई गतिविधियों का आयोजन करवाइए।

नोट:

- निर्धारित पाठ्यक्रम 30 जनवरी 2027 तक पूरा कर लिया जाए जिससे पुनः पठन एवं अधिगम के सुदृढ़ीकरण के लिए पर्याप्त समय मिल सकें।
- शिक्षकों से आशा की जाती है कि जहाँ भी संभव हो, वे उभरे हुए ग्लोब और मानचित्रों का उपयोग कीजिए, जिससे अनुभवात्मक और समावेशी शिक्षण को प्रोत्साहित किया जा सके।
- वार्षिक परीक्षा से पहले व्यवस्थित रूप से पुनः पठन के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को अभ्यास के पर्याप्त अवसर मिल सकें।
- सभी शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाएँ, मूल्यांकन पद्धतियाँ और कक्षा-कक्ष की गतिविधियाँ राष्ट्रीय पाठयचर्या रूपरेखा - 2023 में बताए गए पाठ्यक्रम लक्ष्यों (CG) और दक्षताओं (Cs) के अनुरूप होनी चाहिए।

वार्षिक परीक्षा 2027

मानचित्र कार्य

अध्याय 1: पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति	भारत के आधुनिक शहर (चित्र 1.5)
अध्याय 2: महासागर एवं महाद्वीप	महाद्वीप और महासागर (चित्र 2.3)
अध्याय 5: भारत, अर्थात इंडिया	भारत की प्रमुख नदियाँ (चित्र 5.2) , महाभारत में वर्णित क्षेत्र (चित्र 5.4)
अध्याय 6: भारतीय सभ्यता का प्रारंभ	हड़प्पा स्थल (चित्र 6.3)